

### आकाशवाणी का हिन्दी प्रसारण

- +
- \*७०४. { श्री रामेश्वर टांटिया :  
 श्री प्रकाशवीर शास्त्री :  
 श्री व.रियर :  
 श्री वासुदेवन नायर :  
 श्री यलमंदा रेड्डी :  
 श्री रघुनाथ सिंह :  
 श्रीवाजी :  
 श्री मे० क० कुमारन :  
 श्री यशपाल सिंह :  
 श्री नम्बियार :  
 श्री तन सिंह :  
 श्री बागड़ी :  
 श्री पटनायक :  
 श्री सरजू पांडे :  
 श्री द्वा० ना० तिवारी :  
 श्री नाथ पाई :  
 श्री अ० ना० विद्यालंकार :  
 डा० लक्ष्मीकान्त सिघवी :  
 श्री बेरवा :  
 श्री भक्त दर्शन :  
 श्रीमती सावित्री निगम :  
 श्री यु० द० सिंह :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी के हिन्दी प्रसारणों में कुछ परिवर्तन किया जा रहा है अथवा किया गया है;

(ख) क्या सरकार ने इस मामले में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं से सलाह ली है; और

(ग) क्या किसी ने इस परिवर्तन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति की है ?

**The Minister of Information and Broadcasting (Dr. B. Gopala Reddi):** (a) and (c). In continuation of the All India Radio's policy to simplify Hindi and bring it nearer the spoken word, an experimental afternoon news

bulletin was introduced on the 1st of July 1962. Some general representations in this regard have been received presumably on the misunderstanding that there is an attempt to introduce Arabic and Persian words in place of Hindi words.

(b) No, Sir.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : जब आज से १२ वर्ष पूर्व देश की भाषा और उस के स्वरूप का निश्चय हो चुका था और आकाशवाणी पर लगातार तब से उस का प्रयोग भी किया जा रहा है तो अब १२ वर्ष के पश्चात् ऐसी कौन सी स्थिति उत्पन्न हुई कि जिस से उस में परिवर्तन करने की आवश्यकता पड़ी ?

**Dr. B. Gopala Reddi:** We have received representations. Even on the floor of the House, there was representation that the language of the A.I.R. should be simplified. As late as the 5th August, ....

**Shri Raghunath Singh:** When on the floor of the House?

**Shri Ansar Harvani:** A number of times. (Interruption).

**Mr. Speaker:** Order, order.

**Dr. B. Gopala Reddi:** Even on the 5th of this month, the ruling party has passed a unanimous resolution that the language of the A.I.R. should be simplified.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** We are concerned with the Government. We are not concerned with parties here.

**Mr. Speaker:** Only to show that there was some public opinion, public pressure. That is all. Otherwise, we have nothing to do with whatever the parties might do.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं यह जान सकता हूँ कि आकाशवाणी की जब से भाषा सम्बन्धी नीति में परिवर्तन किया गया है उस के पश्चात् देश में और समाचारपत्रों में पर्याप्त रोष है, यदि हाँ, तो क्या उस रोष को शान्त करने के लिये समिति बनाई गई है अथवा उस समिति के निर्णयों को माना भी जायगा ?

**Dr. B. Gopala Reddi:** This is a consultative committee. We shall certainly go into the language of the news bulletins and we shall see what the recommendation of the committee is. I do not want to anticipate the recommendations of the committee.

**श्री विभूति मिश्र :** श्री मंत्री जी ने बतलाया कि हिन्दी को सरल बनाया जा रहा है तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या हिन्दी को सरल बनाने का यह अर्थ है कि उस में बड़े बड़े उर्दू या संस्कृत के लफ्ज रख दिये जाय ?

**अध्यक्ष महोदय :** यही तो उन्होंने कहा है कि कुछ इस तरह की गलतफहमी है लेकिन ऐसी बात करने का इरादा नहीं है ।

**डा० गोबिन्द दास :** श्री मंत्री जी ने यह कहा कि जो कमेटी बनाई गई है उस कमेटी की क्या सिफारिशें होती हैं उस पर विचार किया जायेगा, मैं यह जानना चाहता हूँ कि उस की जो भी सिफारिशें हों क्या वे मान्य की जायेंगी या वह सिफारिशें अगर मंत्री जी ठीक समझेंगे तो मान्य की जायेंगी और अगर उनको ठीक नहीं समझेंगे तो नहीं मानी जायेंगी ?

**अध्यक्ष महोदय :** अब जाहिर है कि वह सलाहकार समिति है और लाजमी तौर पर उस की सिफारिशें गवर्नमेंट पर मान्य नहीं हो सकती हैं । इस बात को पूछने की कोई जरूरत नहीं है ।

**Dr. B. Gopala Reddi:** I do not want to anticipate anything. It is a hypothetical question.

**श्री त्यागी :** जिस तरीके से रोजमर्रा के लफ्जों को इस्तेमाल कर के हिन्दी को आसान करने की कोशिश की गई है क्या उसी तरीके से उर्दू को भी आसान करने की कोशिश की जा रही है ?

**Dr. B. Gopala Reddi:** Though it is a separate question, I may say that there is an attempt to simplify Urdu also.

**Shri Raghunath Singh:** It is not a separate question. There are big Arabic and Persian and Sanskrit words.

**Dr. B. Gopala Reddi:** There is an attempt to simplify Urdu broadcasts also.

**श्री भक्त दर्शन :** श्रीमन्, मैं माननीय मंत्री जी के इस निर्णय का स्वागत करता हूँ कि उन्होंने एक सलाहकार समिति की स्थापना की है । मैं जानना चाहता हूँ कि यह जो सलाहकार समिति की स्थापना की गई है तो उस से पहले ही शब्दों को सौल करने का कार्य क्यों शुरू कर दिया गया, और क्या यह तब तक के लिए रोका नहीं जा सकता है जब तक कि सलाहकार समिति अपनी राय इस सम्बन्ध में नहीं दे देती है ?

**Dr. B. Gopala Reddi:** These news broadcasts have been started on 1st July. I announced this policy also on the 29th May. So, it is not as if the House was taken unawares. After a good deal of time, it was started on 1st July. There is no question of waiting the report of the consultative committee for that.

**श्री रामसेवक यादव :** पहली जुलाई से पेश्वर जो न्यूज बुलेटिन निकलते थे उन में हिन्दी, अंग्रेजी और उर्दू के शब्द आते थे तो अब क्या जरूरत आन पड़ी कि नये तरीके से न्यूज बुलेटिन छापे जायें और यह नया परिवर्तन किया जाये ?

**Dr. B. Gopala Reddi:** We are not using any Urdu word in the news broadcasts which was not used in the Hindi broadcasts previously also. If we take the words as such, we are not using any new word now.

**श्री सिद्धान्ती :** क्या मंत्री महोदय आपन आप को हिन्दी का स्वरूप निश्चित करने के लिए प्रामाणिक समझते हैं, यदि नहीं, तो इसका बिना निश्चय किये हुए वे पहले ही इसे बिगाड़ने का यत्न क्यों कर रहे हैं ?

**Shrimati Vimla Devi:** May I know whether there is any move to make the Members of Parliament who speak in Hindi speak simplified Hindi so that all of us can understand?

**Mr. Speaker:** Shri Narendra Singh Mahida.

**Shri Narendra Singh Mahida:** May I know whether Hindi words have been standardised for use in our country, in such a way that there is no difference of opinion?

**Dr. B. Gopala Reddi:** Our difficulty is that the language is not yet standardised.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** That is no answer to the question.

**Shri Daji:** In view of the fact that even those who stand for simplified Hindi are awfully shocked at the type of Hindi that is being introduced in the AIR, and in view also of the fact that a committee has been appointed, may I know whether Government will stop during this interim period from spoiling the existing Hindi?

**Dr. B. Gopala Reddi:** There is no question of spoiling any existing Hindi.

**Shri Daji:** It is awfully spoilt.

**Shri Raghunath Singh:** This is no Hindi at all.

**श्री गुलशन :** आकाशवाणी से जो हिन्दी बोली जाती है वह मुश्किल होती है और देहाती लोगों को वह समझ में नहीं आती है, मैं जानना चाहता हूँ कि उस हिन्दी से देहाती लोगों को कोई फायदा होता है या नहीं ?

**Mr. Speaker:** What he says is that the rural people cannot take any benefit of the Hindi broadcasts because it is very difficult. Shrimati Yashoda Reddy.

**श्रीमती यशोदा रेड्डी :** मैं यह जानना चाहती हूँ कि १ जुलाई से आकाशवाणी की हिन्दी में चेंज होने के कारण हिन्दी पंडित लोगों

के अलावा हमारे देश के कामन पीपल से कुछ एंप्रिसियेशन आया है ।

**Dr. B. Gopala Reddi:** Many letters of congratulations have been received. . . . . (Interruption). Even Vice-Chancellors in Uttar Pradesh have written to me.

**Shrimati Sarojini Mahishi:** May I know whether any special instructions have been given. . . .

**Shri Raghunath Singh:** May I know who they are?

**Mr. Speaker:** Order, order. The hon. Member should not ask questions in this manner.

**Shri Raghunath Singh:** Let us know the names of the Vice-Chancellors at least.

**Mr. Speaker:** He continues still. A direct conversation is going on. He wants to know the names without the permission of the Speaker. Shrimati Mahishi.

**Shrimati Sarojini Mahishi:** May I know whether any special instructions have been given to the Committee in this direction of simplification?

**Dr. B. Gopala Reddi:** The Committee can examine the news bulletins and say where the fault lies and where simplification should be done.

**स्कूलों में टेलीविजन के द्वारा शिक्षा**

\*७०५. श्री भक्त दर्शन : क्या सूचना और प्रसारण मन्त्री २१ मई, १९६२ के तारांकित प्रश्न संख्या ९०४ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के स्कूलों में जो टेलीविजन द्वारा शिक्षा देने का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया था, क्या उसके वैज्ञानिक मूल्यांकन का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस मूल्यांकन के परिणामस्वरूप किन तथ्यों का पता लगा है ?